Raj Express (Indore), 23rd September 2026, Page - 04

आईआईटी इंदौर में दिसंबर में जुटेंगे देश-विदेश के 500 जल विशेषज्ञ, नर्मदा समेत 6 नदी बेसिनों पर करेंगे मंथन

तीन दिन के सम्मेलन में मुख्य व्याख्यान, पूर्ण सत्र और समानांतर तकनीकी सत्र होंगे

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

जल संकट और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच आईआईटी इंदौर बड़ा अंतरराष्ट्रीय मंच सजाने जा रहा है। संस्थान के सिविल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से इंडियन सोसाइटी फॉर हाइड्रोलिक्स (आईएसएच) की ओर से 17 से 19 दिसंबर तक हाइड्रोलिक्स, जल संसाधन, नदी एवं तटीय अभियांत्रिकी पर 31वां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन हाइड्रो इंटरनेशनल-2026 आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन की अध्यक्षता सिविल इंजीनियरिंग विभाग और मेहता फैमिली स्कूल ऑफ सस्टेनेबिलिटी के प्रो. मनीष कुमार गोयल करेंगे। सम्मेलन में 500 से अधिक शिक्षाविद, वैज्ञानिक, नीति-निर्माता, उद्योग विशेषज्ञ और युवा शोधकर्ता शामिल होंगे।

आकलन, संरक्षण और प्रबंधन योजना पर होगा विशेष सत्र: सम्मेलन में मुख्य व्याख्यान, पूर्ण सत्र और समानांतर तकनीकी सत्र होंगे। खास फोकस जल शक्ति मंत्रालय की राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना के तहत कंडीशन असेसमेंट एंड मैनेजमेंट प्लानिंग पर रहेगा, जिसमें नर्मदा, महानदी, कृष्णा, कावेरी, गोदावरी और पेरियार बेसिनों के आकलन, संरक्षण और प्रबंधन योजना पर विशेष सत्र होंगे। इसके अलावा हाइड्रोलिक्स, भूजल, बाढ़-सूखा जोखिम, बांध सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और जल प्रबंधन में एआई व मशीन लर्निंग के अनुप्रयोगों पर चर्चा होगी।

भारत के राष्ट्रीय जल एजेंडा की प्राथमिकता: आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने कहा जल की कमी ने स्मार्ट और सुदृढ़ प्रबंधन की जरूरत बढ़ा दी है। हमारा लक्ष्य नवाचार को अंतिम पंक्ति तक पहुंचाना है। प्रो. मनीष गोयल ने कहा यह सम्मेलन रिसर्च को जलवायु-सुदृढ़ प्रबंधन, नदी पुनर्जीवन और आपदा जोखिम न्यूनीकरण के व्यावहारिक समाधानों में बदलने का मंच बनेगा, जो भारत के राष्ट्रीय जल एजेंडा की प्राथमिकता है।

'स्वच्छता ही सेवा में' का समग्र मॉडल, सफाई को सामुदायिक भागीदारी से जोड़ा



इंदौर। स्वच्छता ही सेवा 2026 अभियान के तहत आईआईटी इंदौर ने सफाई को सिर्फ झाड़ू तक सीमित नहीं रखा, बल्कि खेल, साझा करने और सामुदायिक सहभागिता से जोड़ा है।

चार दिन तक संस्थान में आयोजित विविध का समापन मंगलवार को हुआ। अभियान की शुरुआत हाउसकीपिंग एजेंसियों के बीच मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच से हुई। इसका मकसद कैंपस को साफ रखने वाले कर्मियों के योगदान को सम्मान देना और टीम भावना बढ़ाना था। बाद में अवाना क्लब ने सेंट्रल डाइनिंग हॉल में नेकी की दीवार लगाई। इसमें उपयोगी कपड़े इकट्ठा कर हाउसकीपिंग, बागवानी कर्मियों और निर्माण श्रमिकों के बच्चों में बांटे गए, जिससे रीयूज की संस्कृति को बढ़ावा मिला। शासकीय विद्यालय गजिंदा में स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम हुआ। हाउसकीपिंग टीम ने स्कूल परिसर में सफाई की, बच्चों ने चित्रकला में स्वच्छता, कचरा प्रबंधन पर विचार रखे और पौधे भी रोपे। सत्र के समापन पर सिमरोल के कजलीगढ़ किले में स्वच्छता अभियान से चलाया गया।